

# मेजर शैतान सिंह की स्मृति में शौर्य पराक्रम यात्रा कल जोधपुर से रवाना होगी

जोधपुर, (कास)। मेजर शैतान सिंह शैतान संहेश शैतान दिवस के उपलक्ष्य में 17 जून को जोधपुर से रेजांगला तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

मेजर शैतान सिंह रेजांगला शौर्य समिति जोधपुर के मुख्य संयोजक विष्णुचंद्र प्रजापत तथा समिति के अध्यक्ष एन.डी. निवारात एडवोकेट ने यह जानकारी आज पत्रकारों में दी।

उहोने बताया 17 जून को आपात:

7:00 बजे कागा स्थिर मेजर शैतान सिंह के अन्तिम संस्कार स्थल (थड़ा) पर मेजर शैतान सिंह परमवीर चक्र कुंभ सिंह तिरंगा यात्रा के उपलक्ष्य में जोधपुर से रेजांगला तक निकलने वाली शौर्य तिरंगा यात्रा के बैनर का लोकार्पण किया।



मेजर शैतान सिंह शैतान सिंह शैतान दिवस के उपलक्ष्य में जोधपुर से रेजांगला तक निकलने वाली शौर्य तिरंगा यात्रा के बैनर का लोकार्पण किया।

02 अगस्त को नई दिल्ली नेशनलवार मेमोरियल पर होगा।

## 1962 भारत-चीन रेजांगला युद्ध एक नजर में

मारवाड़ की धरा सुर्यनगरी जोधपुर के बीच सूपत मेजर शैतान सिंह 1962 भारत-चीन युद्ध में भारत के 124 सैनिकों की टुकड़ी के साथ 17000 फीट ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा रेजांगला पर तैना हो। 18 नवम्बर, 1962 को चीन के 3000 से अधिक सैनिकों ने अचानक धरा जोधपुर पर आक्रमण कर दिया।

एक तरफ सौदों के ओसम में बर्फबारी के कारण से आवामन के समर्क कर जाते थे उसके साथ ही सीमित मात्रा में गोला बाल्ड थे, इतनी दुर्गम ऊंचाई पर राहत व सैन्य सामान पहुंचाना कठिन होता था कि फिर भी मेजर

शैतान सिंह के नेतृत्व में 120 अहीर सैनिकों व 4 अन्य सैनिकों के साथ अपने अद्य सास शैर्य का पार्चाय देते हुए चीनी सैना से लोहे लेते हुए देश के लिए आपने प्राण छोड़ा। बाहर, बैठक व राजदूत सिंह लिखा एवं शहीद सेवा दल के साथ रोहिता का अधिवेदन किया जाएगा।

समिति के सह संयोजक राजकुमार यादव ने बताया कि यह शैर्य यात्रा जोधपुर से जांचने वाले राजदूत कर दिये थे। उनके पास गोला बाल्ड कर रखा होने के बाद प्रत्येक भारतीय सैनिक ने दो-दो चीनी सैनिकों को अपने भुजाओं में दबाकर मौत के घाट उतार दिया।

इस युद्ध में भारतीय सेना की धरा युद्धाओं ने चीन के 1300 सैनिक को मौत के घाट उतारे हुए इस युद्ध में भारत के 114 सैनिक वर्गीय नामों वाले गोला बाल्ड थे।

भारत सरकार द्वारा मेजर शैतान सिंह को अद्य सास एवं शौर्य का

## एक ही मोहल्ले के दो बच्चे नीट यूजी परीक्षा में पास



भीनमाल के महावीरसिंह तथा पलक कंदर ने कट आफ से अधिक अंक से परीक्षा उत्तीर्ण कर सकारी पेड़िकल कॉलेज से एम.बी.बी.एस. करने के लिए क्वालिफाई किया।

## भाजपा रेवदर मंडल सभा हुई

रेवदर, (निस.)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आज भारतीय जनता पार्टी रेवदर मंडल द्वारा संकल्प से सिद्धिअभियान के तहत राजगढ़ स्थित गोपनीय रेवदर में आम सभा का कार्यवाही आयोजित किया गया।

मुख्य बक्ता डायालाल एवं वरिष्ठ नेता आत्मराम, प्रदेश मंत्री प्रकाश मेंघवाल का अतिथ्य रहा। मंडल अध्यक्ष हरीश के बारे में अध्यक्षता की कार्यवाही सह संयोजक अशोक ने बताया कि मुख्य बक्ता डायालाल द्वे ने केंद्र सरकार के 11 सालों की उपलब्धियों पर चर्चा की।

वरिष्ठ प्राप्ता नेता आत्मराम ने कहा कि यह आयोजन विकासित भारत का अमृतकलाप सेवा, सुधारणा और गरीब कल्याण के 11 साल थीम पर आधारित है। उहोने मोदी प्रेस ऑफिस योग्यानांतर एवं राजकुमार यादव, नरेंद्र सिंह राठोड़ आदी, चेतन दुर्गम ऊंचाई पर राहत व सैन्य सामान पहुंचाना कठिन होता था कि जब से भी मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हों, समाज, युवा वर्ग महिला उद्धवन एवं विभिन्न संक्षेपों में उन्होंने स्वर्णपर्ण निर्णय लेते हुए विकास करना चाहते हैं।

मंडल इस अध्यक्ष हरीश के बारे में सफलता के बारे में अपने वहाँ लोगों में नीट यूजी परीक्षा से उपर्युक्त उत्तीर्ण करने वाले अपने बच्चों में नीट यूजी परीक्षा में सफलता हासिल की है।

पलक कंदर ने इसका श्रेय अपने माता

-पिता को दिया है और कहा कि मेरी माताजी ने कोटा मेरे साथ रहकर मुझे घर जैसा माहोल दिया।

पलक कंदर ने कहा कि भटकाव से दूर रहकर की गोला लक्ष्य के कार्यक्रम में सफलता हासिल की है।

छात्रों ने इसका श्रेय अपने माता-पिता को दिया है और अपने पहले छात्रों में नीट यूजी परीक्षा में सफलता हासिल की है।

छात्रों के द्वारा गुमानसिंह वरिष्ठ संकल्प देवराम का कार्यक्रम का संचालन महाराजा देवराम को दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में अहमदाबाद और कैदराना थले नाम हादसों में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2

मिनिट का मान रख देवराम जीवन्मंत्री के लिए देखा गया।

इस दूसरे दिन विभिन्न श्रेष्ठों ने इसका श्रेय अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने देखा गया। इसका श्रेय अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।

प्राप्ति के लिए उन्होंने कहा कि यह अपने लोगों को दिया है।